

— संप्र act. med. ringsum bedecken: एनावधिवासेन संप्रोर्णुवन्ति CAT. Br. 13, 5, 2. संप्रोर्णुष्व पिबन्ना मेदेसा च RV. 10, 16, 7.

— वि act. med. aufdecken, enthüllen, öffnen RV. 1, 68, 1. वि राणं घौर्णोद्गुरः 10 (5). 6, 17, 6. 7, 79, 4. व्यूर्णवती दिवो अतान् 1, 92, 11. 5, 80, 6. व्यूर्णाति कृदा मतिम् 1, 103, 15. 9, 91, 4. 94, 2. 10, 38, 2. 81, 2. AV. 1, 11, 2. 3. 13, 3, 22. आदिदामानं सवितर्व्यूर्णपि RV. 4, 34, 2. (यः) व्यूर्णति दाप्रुषे वार्याणि 6, 30, 8. 9, 110, 6. द्वारा व्यूर्णते 8, 39, 6.

ऊर्ध्व v. l. für उर्ध्व DHĀTUP. 2, 19.

ऊर्ध्व und f. उर्ध्वी gaṇa गौरादि zu P. 4, 1, 41. उर्ध्वी (davon और्ध्वानी) P. 4, 2, 99, Vārtt.

ऊर्ध्व m. 1) ein Gefäß zum Messen des Getreides, Scheffel Nir. 3, 30. तमूर्ध्वं न पृणता यवेनन्त्रं सेमैभिः RV. 2, 14, 11. — 2) Held. — 3) ein Rakshas Up. 3, 40. In den beiden letzten Bedd. उर्ध्व und उर्ध्व.

ऊर्ध्व und ऊर्ध्वक schlechte Schreibung für ऊर्ध्व und ऊर्ध्वक.

ऊर्ध्व (von वर्ध्) adj. f. आ aufwärts gehend, nach oben gerichtet, aufgerichtet, aufrecht, erhoben, oben befindlich H. 492. an. 2, 517. 518 (समुच्छ्रिते, उपर्युन्नतयोः). MED. v. 3 (उच्छ्रिते, तुङ्गे, उपरिष्ठात्). (यावा) ऊर्ध्वो भवति सातवे RV. 1, 28, 1. 7, 68, 4. 10, 100, 9. ऊर्ध्वस्तिष्ठा न उतये 1, 30, 6. 2, 30, 3. 6, 24, 9. VS. 2, 8. ऊर्ध्वं नुनेद्रे ऽवतम् RV. 1, 88, 4. ज्ञानानामूर्ध्व 93, 5. 2, 33, 9. ऊर्ध्वो धीतिः 1, 119, 2. ऊर्ध्वो दधानः प्रचिपेक्षं धियम् 144, 1. 7, 64, 4. 1, 24, 7. ऊर्ध्वो वा गातुरधरे अकार्यधो शोचोपि प्रस्विता रजसि 3, 4, 4. VS. 27, 11. रजसः पृष्ठ ऊर्ध्वः RV. 3, 49, 4. उतानामूर्ध्वो अथयज्जुह्विभिः 5, 1, 3. ऊर्ध्वो नो अथरे कृतम् 7, 2, 7. VS. 3, 17. 6, 23. ऊर्ध्वोऽस्त्वान्विन्देवा भुवन् 31, 9. वयुर्ध्वोऽस्त्युत्तमो अतन् 10, 113, 9. ऊर्ध्वोऽमो राहू VS. 10, 14. दिक् 16, 64. AV. 3, 36, 6. 18, 3, 35. CAT. Br. 5, 1, 4. AIT. Br. 8, 14. ÇĀÑKH. Çr. 4, 11, 3. 6, 3, 4. ऊर्ध्वो विन्दु र्द्वर्त्तु AV. 10, 10, 19. 2, 3, 11. 7, 4, 11. 4, 25. 13, 1, 53. 54. न वा श्मो कश्चन तिर्यङ्धोऽत्येतुमर्हति CAT. Br. 13, 1, 4, 2. अतो ह्यन्य ऊर्ध्वोः प्राणा अतो ऽन्ये ऽवाचः 1, 4, 2, 8. 8, 2, 1, 2. 18. 12, 9, 1, 7. 14, 2, 2, 28. 6, 8, 3. KĀND. Up. 2, 2, 1. 3, 11, 1. 6, 6, 1. 7, 11, 1. AIT. Up. 4, 6. vom Tone CAT. Br. 11, 4, 2, 5. In der klass. Sprache erscheint das adj. ausserhalb der comp. äusserst selten: पदिर्ध्वः MBh. 1, 1034.

ऊर्ध्व रजः पिवेत् M. 11, 110. am Anf. eines comp.: ऊर्ध्वकुलि Hip. 2, 6. ०केश 3, 2. ०कर्ण ÇĀK. 8. ०शस्याभवद्भूमिः MBh. 1, 4338. ०दृष्टि N. 2, 3. ०रेखा RAGH. 5, 44. 7, 55. AK. 2, 6, 2, 38. ०दारु H. 1008. ०भूमि 1033. ०दिश्व H. 169. Sch. In allen diesen comp. kann ऊर्ध्व auch als adv. aufgefasst werden (vgl. अध्व). — n. subst. Höhe, ein oberhalb gelegener Theil: भूध्वं रोमपद्धतिः H. 379. तारुणोर्ध्वं तु मङ्गल्यं दाम वन्दनमालिका 1008. mit dem abl.: ऊर्ध्वं दग्भ्यो ध्रुवा AK. 2, 6, 2, 43. — ऊर्ध्वम् adv. 1) aufwärts, nach oben, oben, oberhalb (mit dem abl.) H. 1526. ऊर्ध्वं प्रणामुद्गर्त्युद्गृह AV. 11, 1, 9. MUNP. Up. 2, 2, 11. ऊर्ध्वमूर्तिप्य R. 4, 8, 5. 5, 2, 26. INDR. 1, 31. RAGH. 12, 103. DUĀRTAS. 73, 17. ऊर्ध्वं प्राणा ह्युत्क्रामन्ति M. 2, 120. SUÇR. 1, 132, 3. यो दातुर्ध्वत्यूर्थं (im Himmel) फलोदयः M. 3, 169. दिशो च प्रदिशो चोर्ध्वं दिक्पूर्वा प्रथमा तथा MBh. 14, 1224. दश दिशः सर्वस्तिर्यगूर्ध्वं च 3, 856. R. 6, 22, 5. ऊर्ध्वं मे नाभिः सीद KĀTJ. Çr. 2, 2, 20. यद्गूर्ध्वं यासवत्क्य दिवः BRU. Ān. Up. 3, 8, 3. ऊर्ध्वं नाभेर्मध्यतरः पुरुषः परिकीर्तितः M. 1, 92. 5, 132. ऊर्ध्वं गम् sterben: पितर्यूर्ध्वं गते पुत्रा विभजेयुर्ध्वं पितुः DĀJ. 20, 10. Am Anf. eines comp. ohne Flexionszeichen: ऊर्ध्वपवित्र TAITT. Up. 1, 10. ऊर्ध्वप्रवर्तिनी (गङ्गा) RAGH. 10, 38. ऊर्ध्वकृतानन VIB. 80. ऊर्ध्वक्षित H. 1482.

ऊर्ध्वस्य TRIK. 3, 1, 4. KATHĀS. 13, 45. — 2) in der Folge, weiterhin, hinter, über — hinaus, von — an, nach: ततस्त ऊर्ध्वं वक्ष्यामि KĀND. Up. 7, 1, 1. वक्ष्याम्यूर्ध्वम् SUÇR. 2, 371, 7. mit dem abl.: ऊर्ध्वं द्वितीयादयः hinter dem zweiten Vocal P. 5, 3, 83. यद्गूर्ध्वमशीतिभ्यः CAT. Br. 11, 1, 4, 44. ऊर्ध्वं वा शतात् ÇĀÑKH. Çr. 6, 6, 40. पुरा शम्योर्वाकाद्गूर्ध्वं वा 3, 8, 20. 7, 7, 9. 10, 2. 14, 7. ĀÇV. GRHJ. 4, 5. ÇR. 9, 5. 11, 2. KĀND. Up. 2, 9, 7. ऊर्ध्वं कार्त्तिक्या आ वैशाख्याः KAUC. 73. ऊर्ध्वं संवत्सरात् M. 9, 77. 216. JĀGŪ. 1, 53. R. 3, 83, 4. 4, 28, 32. मासाद्गूर्ध्वं न वस्तव्यम् 40, 69. 5, 24, 8. 31, 12. SUÇR. 2, 332, 8. PAÑKĀT. III, 12. 34, 9. 260, 17. ÇĀK. 99, 6. v. l. ऊर्ध्वं पितुः nach dem Tode des Vaters M. 9, 104. पित्रोर्ध्वम् JĀGŪ. 2, 117. अत ऊर्ध्वम् von da an, von nun an, hierauf CAT. Br. 1, 3, 2, 23. 6, 4, 10. ÇĀÑKH. Çr. 5, 6, 9. 9, 23, 14. 10, 2, 10. M. 2, 39. 4, 98. 8, 214. 218. 266. 278. 9, 187. 11, 98. 247. JĀGŪ. 1, 38. N. 23, 11. SUÇR. 1, 18, 4. इत ऊर्ध्वम् von hier an Sch. zu P. 1, 4, 1. 2, 1, 4. — 3) laut: कीर्त्योर्ध्वगीतया पुम्भिः Bhaç. P. 4, 22, 63.

ऊर्ध्वक (von ऊर्ध्व) m. eine Art Trommel AK. 1, 1, 2, 5. H. 293.

ऊर्ध्वकच (ऊ + क) m. ein Beiname Ketu's (dessen Haare hinaufstreben) H. ç. 13. — Vgl. विकच.

ऊर्ध्वकाष्ठ (ऊ + क) 1) m. pl. N. pr. eines Volkes VARĀH. BRH. S. 14, 8 in Verz. d. B. H. 240. — 2) f. ०काष्ठी N. einer Pflanze (महाशतावरी) RĀGAN. im ÇKDr.

1. ऊर्ध्वकर्मन् (ऊ + क) n. eine Bewegung nach oben P. 1, 3, 24. = ऊर्ध्वक्रिया Sch.

2. ऊर्ध्वकर्मन् (wie eben) m. ein Bein. Vishṇu's (nach oben strebend) H. ç. 67.

ऊर्ध्वकाय (ऊ + का) m. Oberkörper WILS.

ऊर्ध्वकृशन (ऊ + कृ) adj. vielleicht (nach oben) perlend, vom schäumenden Soma: अयं विभर्म्यूर्ध्वकृशनं मदम्भुर्न कृत्यं मदम् RV. 10, 144, 2.

ऊर्ध्वकेतु (ऊ + के) m. N. pr. ein Sohn Sanadvāga's Bhaç. P. 9, 13, 22.

ऊर्ध्वक्रिया f. s. u. 1. ऊर्ध्वकर्मन्.

ऊर्ध्वग (ऊ + ग) adj. nach oben gehend, aufwärts dringend MBh. 3, 850. 14, 475. SUÇR. 1, 173, 4. 263, 17. 2, 426, 3. KUMĀRAS. 3, 23. in der Höhe befindlich: खपुरं तूर्ध्वं पुरम् (WILS. fasst ऊर्ध्वगपुर als Synonym) | हरिश्चन्द्रपुरम् TRIK. 2, 1, 19.

1. ऊर्ध्वगति (ऊ + ग) f. Gang —, Drang nach oben SUÇR. 1, 131, 12.

2. ऊर्ध्वगति (wie eben) adj. nach oben strebend MBh. 3, 11147. R. 1, 2, 40.

ऊर्ध्वगमन (ऊ + ग) m. das Aufgehen, Aufsteigen: सूर्यचन्द्रादीनाम् VOP. 23, 31.

ऊर्ध्वगामिन् (ऊ + गा) adj. = ऊर्ध्वग SUÇR. 1, 336, 15.

ऊर्ध्वग्रावन् (ऊ + ग्रा) adj. der den (Soma-) Stein erhoben hat, damit zum Schlage ausholt: ऊर्ध्वग्रावणो अथरमेतष्ट RV. 3, 34, 12.

ऊर्ध्वचैत् (ऊ + चित्) adj. aufschichtend VS. 1, 13. 12, 46.

ऊर्ध्वजानु (ऊ + जा) adj. P. 5, 4, 130. 1) die Knie in die Höhe haltend (auf ebenem Boden sitzend): उपविश्यार्ध्वजानुः ÇĀÑKH. Çr. 1, 3, 8. — 2) hohe Knie —, lange Unterschenkel habend AK. 2, 6, 1, 47. Auch ऊर्ध्वजानुक H. 433.

ऊर्ध्वज adj. = ऊर्ध्वजानु 2. H. 436. BHAR. zu AK. und DVIRČPAK. im ÇKDr.